

**One day National seminar on “Recent Trends in Biotechnology” organized at
Biotechnology, DAVV**

A one day long National seminar was organized at Biotechnology department of DAVV. Programme was organized by Head of Biotechnology Dr. Anjana Jajoo. Program was inaugurated by welcome speech of Hon’ble VC- Prof. (Dr.) Narendra Dhakad. Program anchoring was performed by Miss Shruti Tiwar (M.Sc. Bioinformatics student). Many Internationally renowned scientists from different corners of the country delivered lectures during this event.

Dr. Ashwani Pareek, Professor, JNU, New Delhi, discussed about the challenges related to food and nutritional security and emphasized on the possible solutions to address them.

Dr. Rajagopal from University of Hyderabad emphasized about the recombinant protein binding mechanisms with plasma proteins and how toxicity of drugs can be minimized using expression of various Human protein domains in plants to develop extracorporeal dialysis systems. Dr. Jeyakumar from Tamil Nadu Agricultural University, Coimbatore was delivered lecture on Physiological perspectives in abiotic stress management of plants. He emphasized that how physiological regulatory genes may be helpful for adaptive changes in plants during various stress conditions.

Emeritus Professor from HBNI, Mumbai-Dr. Shree Kumar Apte discussed about the importance of rare genes present in organisms found in extreme environments. He also shed light on the radioactivity resistance phenotype by using genes from extremophiles.

Program was concluded by vote of thanks conveyed by Dr. Anjana Jajoo.

**स्कूल ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी, दे.अ.वि.वि. में ' रिसंट ट्रेंड्स इन प्लांट बायोटेक्नोलॉजी' पर नेशनल
सेमिनार का आयोजन**

दे.अ.वि.वि. के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में आज एक दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन हुआ ! यह कार्यक्रम डॉ. अंजना जाजू हेड स्कूल ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी के तत्वाधान में संपन्न हुआ ! कार्यक्रम का उद्घाटन दे.अ.वि.वि. के माननीय कुलपति, प्रोफेसर (डॉ.) नरेंद्र धाकड़ ने अपने अभिनंदन उद्बोधन से किया ! जबकि कार्यक्रम का संचालन सुश्री सृष्टि तिवारी (एम.एस.सी. बायो-इन्फार्मेटिक्स) ने किया !

अंतर्राष्ट्रीय शोध जगत की हस्तियों ने इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से शिरकत की ! जे.एन.यू., नई दिल्ली के डॉ. अश्वनी पारीक ने विश्वभर में फूड एवं न्यूट्रिशनल सिक्वोरिटी के सामने खड़ी चुनौतियों व उनसे निपटने के लिए बायोटेक्नोलॉजी में उपलब्ध तरीकों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला ! सेंट्रल यूनिवर्सिटी हैदराबाद के प्रोफेसर डॉ. राजगोपाल ने बताया की कैसे कुछ ह्यूमन प्रोटीन्स पौधों में जीन ट्रांसफर से संश्लेषित किये जा सकते हैं, तथा ये प्रोटीन्स शरीर में टॉक्सिसिटी को दूर करने का काम करते हैं जिससे एक्स्ट्राकॉर्पोरल डायलिसिस को डेवेलप किया जा सकता है !

तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. जयकुमार ने बताया कि कैसे पौधों की खुद की फिजियोलॉजी को नियंत्रित करने वाले जीन अगर दूसरे पौधों में ट्रांसफर किये जायें तो उनकी ऐबायोटिक स्ट्रेस का सफल मैनेजमेंट किया जा सकता है !

एमेरिटस प्रोफेसर डॉ. श्री कुमार आप्टे, जो की एच.बी.एन.आई. मुंबई से हैं, उन्होंने बताया की चरम परिस्थितियों में पाए जाने वाले जीवों 'एक्सट्रेमोफिल्स' के पास कितनी संभावनाएं हैं, जिनसे हम अन्य जीवों में भी रेडिएक्टिविटी से रेजिस्टेंस पैदा कर सकते हैं और कई अन्य प्रकार के असाधारण दिखने वाले कार्यों को भी सफलतापूर्वक कर सकते हैं!

कार्यक्रम का समापन डॉ. अंजना जाजू ने धन्यवादप्रस्ताव प्रेषित कर किया !



